

देशों के साथ अथवा दंगों आदि में नैतिक मान्यताओं एवं परंपराओं का उल्लंघन कर अत्याचार करना।

नृशृंग पुं. (तत्.) 1. मनुष्य के सींग 2. मनुष्य के सींग के समान कोई असंभव वस्तु।

नृसिंह पुं. (तत्.) 1. भगवान विष्णु का एक अवतार जिसका आधा शरीर मनुष्य का तथा आधा शरीर सिंह का था 2. सिंह के समान पराक्रमी मनुष्य।

नृसिंह चतुर्दशी स्त्री. (तत्.) वैशाख शुक्ल चतुर्दशी जो नृसिंह अवतार की तिथि मानी जाती है।

नृसिंहपुरी स्त्री. (तत्.) पश्चिमी पंजाब (पाकिस्तान) में स्थित मुलतान नामक नगर, जहाँ नृसिंह अवतार हुआ था।

नृहरि पुं. (तत्.) दे. नृसिंह।

नेक वि. (फा.) 1. शुद्ध अथवा श्रेष्ठ 2. मांगलिक या शुभ, जैसे- नेक वक्त 3. शरीफ, जैसे- नेक परिवार 4. शिष्ट, सदाचारी, भला जैसे- नेक इंसान 5. हितकारी जैसे- नेक सलाह वि./क्रि.वि. (देश.) थोड़ा सा, जरा सा जैसे- नेक पानी पिला दो।

नेक अंजाम पुं. (फा.) अच्छा परिणाम/फल/ नतीजा/ अंत।

नेक खयाल वि. (फा.+अर.) शुद्ध अच्छे विचार या विचार वाला।

नेक खयाली स्त्री. (फा.+अर.) शुद्ध विचारों की प्रवृत्ति, सज्जनता, विचारों की शुद्धता, भलमनसाहत।

नेकचलन वि. (फा.) जिसका आचरण अच्छा हो।

नेकचलनी स्त्री. (फा.) अच्छे आचरण की प्रवृत्ति।

नेकदिल वि. (फा.) जिसका हृदय शुद्ध हो, जो स्वभाव से पवित्र हो, अंतःशुद्ध, पुण्यात्मा।

नेकदिली स्त्री. (फा.) हृदय की शुद्धता, पवित्रता, स्वच्छता।

नेकनाम वि. (फा.) जो बड़ा कीर्तिमान हो, उत्तम यश वाला, पुण्यश्लोक।

नेकनामी स्त्री. (फा.) कीर्ति, यश।

नेकनीयत वि. (फा.+अर.) धर्मात्मा, ईमानदार, धर्मनिष्ठ।

नेकनीयती स्त्री. (फा.अर.) अंतःशुद्धि, पाकदिली, ईमानदारी, अच्छी भावना।

नेकमिजाज वि. (फा.अर.) जिसका स्वभाव शुद्ध हो, सत्प्रकृति, पुण्यस्वभाव, सज्जन।

नेकमिजाजी स्त्री. (फा.+अर.) स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता, सज्जनता।

नेकर पुं. (अं.) कमर से घुटने तक का अंग्रेजी ढंग का ढीला जांघिया, निकर।

नेकराह वि. (फा.) अच्छी राह पर चलने वाला, सन्मार्गी, सदाचारी स्त्री. अच्छी राह, सन्मार्ग।

नेकलेस पुं. (अं.) गले का एक आभूषण, कंठहार, हार, कंठा।

नेकसूरत वि. (फा.+अर.) जिसकी शक्ल सुंदर हो, जिसकी आकृति से सज्जनता झलकती हो, शुभ-दर्शन।

नेकी स्त्री. (फा.) 1. नेक होने का भाव, नेकपन 2. शिष्टता, सज्जनता 3. भलाई 4. पुण्य विलो. बदी।

नेकी-बदी स्त्री. (फा.) 1. भलाई-बुराई 2. पुण्य-पाप।

नेकु वि. (तद्.) 1. थोड़ा-सा, जरा-सा 2. क्रि.वि. किंचित, थोड़ा, कुछ, जरा।

नेग पुं. (देश.) 1. मांगलिक अवसरों पर संबंधियों तथा सेवकों को धन, वस्त्रादि प्रदान करने की प्रथा 2. शुभ अवसरों पर उक्त प्रथा के निर्वाह के लिए दिया जाने वाला धन अथवा अन्य पदार्थ 3. उक्त प्रथा के अनुसार सेवकों का धन आदि प्राप्त करने का अधिकार 4. शुभ-कार्य।

नेगचार पुं. (देश.+तत्) मांगलिक अवसरों पर की जाने वाली धन, वस्त्रादि देने-लेने की तथा अन्य पारंपरिक सामाजिक क्रियाएँ 2. नेग के रूप में धनादि देने की क्रिया।

नेगजोग पुं. (देश.) मांगलिक/शुभ अवसरों पर संबंधियों एवं सेवकों आदि को नेवा का धन तथा अन्य वस्तुएँ देने की प्रथा 2. वे शुभ अवसर जिन पर नेग दिया जाता है।